

## बदायूँ से पुरातात्विक अवशेषों की प्राप्ति

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण \(ASI\)](#) को उत्तर प्रदेश के बदायूँ ज़िले के खेड़ा जलालपुर गाँव में एक टीले से गुप्त काल के बाद के पुरातात्विक अवशेषों की प्राप्ति हुई है।

### प्रमुख बदि

- गंगा नदी के पूर्वी तट पर स्थित खेड़ा जलालपुर गाँव के टीले से हट्टि मंदिर की मूर्तियों के टुकड़े, प्राचीन ईंट प्राप्त हुए हैं। एएसआई के अनुसार ये अवशेष **गुप्तकाल के बाद के (7वीं-8वीं शताब्दी के)** हैं, जिनका संबंध आज से करीब **1300-1400 वर्ष पहले** के समय से है।
- प्रसिद्ध पुरातत्वविद डॉ. बी.आर. मणिके अनुसार **बदायूँ पुरातात्विक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थल** है। यह **प्राचीन पांचाल (द्रौपदी की जन्मस्थली) का हिस्सा** था। दिल्ली सल्तनत के मामलूक वंश के शासन के दौरान बदायूँ सर्वाधिक महत्वपूर्ण इक्ता थी। सुल्तान बनने से पूर्व इल्तुतमिश यहीं का इक्तादार था।
- उल्लेखनीय है कि **बदायूँ अबदुल कादरि बदायूँनी** एवं **शेख नज़ामुद्दीन औलिया** की जन्मस्थली थी। साथ ही, यह दिल्ली-लखनौती व्यापारिक मार्ग का प्रमुख केंद्र था।